इकाई-III Date-30.05.20

भाषा विषय के रूप में :-

Ans→ एक विषय के रूप में प्राय: तीन भाषाओं के अध्ययन का प्रावधान हमारे विद्यालयों में है। ये भाषाएं हो सकती है- मैथिली, भोजपुरी, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, बांग्ला आदि। विद्यालयों में एक विषय के रूप में एक से अधिक भाषाएं शिक्षण की स्थिति को विस्तारपूर्वक समझाया गया है। प्राय: प्रथम भाषा, द्वितीय भाषा और तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। जिसका सीधा-सा अर्थ यह है कि बच्चों में इन भाषाओं के प्रयोग की कुशलता विकसित करना। विभिन्न स्थितियों में भाषा का प्रयोग करने की कुशलता या क्षमता उन्हें जीवन की अनेक आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करती है। वे अपने जीवन में भाषा का अनेक प्रकार से प्रयोग करते हैं, जैसे- अपनी इच्छा को प्रकट करना, किसी की राय लेना, अपना तर्क प्रस्तुत करना, किसी घटना के होने की संभावना को व्यक्त करना, संदेह करना, कल्पना करना, किसी को समझाना आदि।

इन अभ्यासो के माध्यम से बच्चों को अपनी बात कहने के भरपूर अवसर दिए गए हैं। ये अवसर दो तरीके से दिए गए हैं। एक, पाठ विशेष के संदर्भ में और दो, उसी पाठ की विषय-वस्तु से संबंधित निजी अनुभवों को जोड़ते हुए बातचीत करने के विभिन्न संदर्भ दरअसल एक प्रकार से जीवन के विभिन्न रंगों को प्रस्तुत करते है जिनमे बच्चों को भाषा के माध्यम से निर्वाह करना है। यह कोशिश की गई है कि बच्चे पढ़े गए पाठ को अपने निजी अनुभवों के साथ जोड़कर देख सके और अपने भावों और विचारों को दूसरे के समक्ष आत्मविश्वास के साथ अभिव्यक्त कर सकें। भाषा की कक्षा में संवाद के अवसर से बच्चों को भाषा विशेष की विभिन्न छटाओं और उसकी बारीकियों से परिचित होने का अवसर भी मिलता है। परिणामस्वरूप धीरे-धीरे उनकी भाषायी क्षमता में इजाफा होगा। एक विषय के रूप में भाषा शिक्षण का अर्थ है — भाषा के मौखिक और लिखित प्रयोग की कुशलता में दक्ष बनाना।

इस रूप में देखा जाए तो विषय के रूप में- और माध्यम के रूप में कोई अंतर नहीं रह जाता। भाषा की पाठ्य-पुस्तक में जिन पाठों का चयन किया जाता है वे प्राय: विभिन्न विषयों से संबंधित होते है, जैसे- खेलकूद, विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण, विभिन्न त्योहार आदि। भाषा शिक्षण के माध्यम से वे भाषा के विभिन्न पक्षों के साथ-साथ विषयगत अवधारणाओं के साथ-साथ शब्दावली, संरचनाएं समझते है। और यही समझ विभिन्न क्षेत्रों में सही शब्दावली और भाषायी संरचनाओं के उचित और प्रभावी संप्रेषण में काम आती है।

END

Scanned with CamScan